संपादकीय

पुलिसिया न्याय

हैदराबाद में युवा महिला चिकित्सक के साथ सामूहिक दुराचार और जलाकर नृशंस हत्या करने के आरोपियों के पुलिस एनकांउटर में मारे जाने की घटना ने देश को उद्वेलित किया है। जहां कुछ लोग अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कार्रवाई को जायज ठहरा रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे अपराध के बदले अपराध की संज्ञा दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि बदले की भावना से किया गया न्याय, न्याय नहीं होता। माना कि अपराध की प्रवृत्ति जघन्य है, मगर फिर भी दोषियों को सजा देने के लिये कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। पुलिस की दलील है कि वारदात का सीन रिक्रिएट करने के लिये आरोपियों को घटनास्थल के पास ले जाया गया था। पुलिस का तर्क वैसा ही है जैसे हर एनकांउटर के बाद गढ़ी-गढ़ाई कहानी सुनाई जाती है कि आरोपियों ने पुलिस पर हमला किया और पुलिसकर्मियों से हथियार छीनकर गोलियां चलाईं। इस घटनाक्रम के चलते पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। सुबह के अंधेरे में अभियुक्तों को सीन रिक्रिएट करने के लिये ले जाने का क्या औचित्य था? क्या इस बात के स्पष्ट प्रमाण थे कि अभियुक्त बताये जा रहे लोग ही वास्तव में दोषी थे? इसके बावजूद कि हैदराबाद की बेटी के साथ पाश्विकता हुई थी। नि:संदेह ऐसी अमानवीय घटनाओं के दोषियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जा सकता। मगर सजा न्यायिक व्यवस्था के तहत ही होनी चाहिए। दरअसल, जब निर्भया कांड के बाद बलात्कार की सजा के कानूनों को सख्त बनाया गया था तब भी मांग उठी थी कि कड़ी सजा के भय से बलात्कारी पीड़िता की हत्या कर सकते हैं। वैसे ऐसे मामलों में फांसी की सजा का प्रावधान रखने के जरिये संदेश देने का प्रयास हुआ था कि दुष्कर्म एक बड़ा अपराध है। नि:संदेह कानून व्यवस्था की जटिलताओं के चलते न्याय मिलने में हो रही देरी के चलते समाज में तत्काल दंड देने की मांग बलवती हुई है। यही वजह है कि हैदराबाद एनकाउंटर के बाद पुलिस पर फूल बरसा व महिलाओं द्वारा पुलिस को राखी बांध कर आभार जताया गया।

दरअसल, इस घटनाक्रम पर देश का जनमत बंटा हुआ है। हैदराबाद कांड के आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में नामित किया गया था। इसके बावजूद एनकांउटर के बाद सत्तापक्ष व विपक्ष के कई सांसद इस एनकांउटर को कानूनी प्रक्रिया के तहत बता रहे हैं। वहीं मानव अधिकार कार्यकर्ता जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर मुकदमा चलाने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, देश में हुए तमाम एनकांउटरों में पुलिस की कारगुजारियां सवालों के घेरे में रही हैं। हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद प्रभावित इलाकों में हुई एक फर्जी मुठभेड़ खासी चर्चाओं में है। ऐसे में भीड़ के इंसाफ की तर्ज पर हुए इस एनकांउटर पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर बिना ठोस प्रमाणों और न्यायिक प्रक्रिया पूरे हुए बिना किसी को अपराधी कैसे ठहराया जा सकता है। सवाल है कि क्या यही न्याय है? क्या अदालतें अपना काम करना बंद कर दें और ऐसे तमाशों को देखें? पुलिसिया न्याय के दूरगामी घातक परिणाम नागरिक स्वतंत्रता के लिये हो सकते हैं। नि:संदेह पुलिसिया न्याय में नागरिक अधिकारों का कोई भविष्य नहीं होता। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि आप किसी को इसलिये नहीं मार सकते क्योंकि हम उसे मारना चाहते हैं। यहां यह भी विचारणीय तथ्य है कि क्यों लोगों का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम से भरोसा उठ रहा है।

इस साल के शिखर पर पेट्रोल की कीमत, डीजल के दाम भी बढ़े

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल की कीमत सोमवार को 75 रुपये लीटर पर पहुंच गई। एक साल से अधिक समय में यह पहला मौका है, जब तेल का दाम 75 रुपये लीटर पर पहुंचा है। तेल कंपनियों ने उत्पादन की बढ़ती लागत को पूरा करने के लिए ईंधन के दाम बढ़ाए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की दैनिक मूल्य अधिसूचना के अनुसार सोमवार को पेट्रोल का दाम 5 पैसे प्रति लीटर और डीजल 10 पैसे लीटर बढ़ा है। इस वृद्धि के बाद राष्ट्रीय

राजधानी में पेट्रोल 75 रुपये और डीजल 66.04 रुपये लीटर पर पहुंच गया।

ईंधन के दाम में नौ नवंबर के बाद से एक दिन छोड़कर लगातार वृद्धि हो रही है। कुल मिलाकर पिछले महीने पेट्रोल 2.30 रुपये लीटर महंगा हुआ है। हालांकि, डीजल कुछ नरम हुआ और 65-66 रुपये प्रति लीटर के दायरे में रहा।

सऊदी अरब के तटों पर स्थित बड़े तेल संयंत्र पर सितंबर के मध्य में हमले के बाद ईंधन के दाम में तेजी आई थी। उस समय केवल दो सप्ताह में पेट्रोल 2.5 रुपये लीटर चढ़ा था। हालांकि, उसके बाद कीमतों में नरमी आई और दिल्ली में यह 74.61 रुपये लीटर से घटकर 72.60 रुपये लीटर पर आ गया।

नौ नवंबर के बाद से पेट्रोल के दाम चढ़ रहे हैं। इसका एक कारण डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर भी रहा है।

इसी प्रकार, सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठान पर पहले के बाद डीजल 67 रुपये लीटर तक चला गया था, लेकिन उसके बाद उसमें नरमी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन के दाम में बदलाव और रुपया-डॉलर विनिमय दर में बदलाव के आधार पर पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में दैनिक आधार पर संशोधन किया जाता है।

साक्षी की अगुआई में भारतीय पहलवानों ने जीते सभी चार गोल्ड मेडल

काठमांडू दिसंबर। ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट महिला रेसलर साक्षी मलिक की अगुआई में भारतीय पहलवानों ने 13वें दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) में रविवार को यहां कुश्ती में चार स्वर्ण पदक जीते। भारत ने इस तरह से कुश्ती में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने अब तक सभी 12 वर्गों में स्वर्ण पदक जीते हैं। साक्षी ने महिलाओं के 62 किग्रा में आसानी से पहला स्थान हासिल किया।

अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता रविंदर ने पुरुष फ्रीस्टाइल के 61 किग्रा में सोने का तमगा हासिल किया। साक्षी के चारों मुकाबले एकतरफा रहे लेकिन रविंदर को पाकिस्तान के एम बिलाल को हराने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

पवन कुमार (पुरुष फ्रीस्टाइल 86 किग्रा) और अंशु (महिला 59 किग्रा) ने भी अपने अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीता। सोमवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन गौरव बालियानन (74 किग्रा) और अनिता शेरोन (68 किग्रा) क्रमशः पुरुष और महिला फ्रीस्टाइल में अपने मुकाबले खेलेंगे।

लोढ़ा देश के रीयल एस्टेट क्षेत्र के सबसे अमीर उद्यमी

नई दिल्ली(आरएनएस)। लोढ़ा डेवलपर्स के एम पी लोढ़ा और उनके परिवार को देश के रीयल एस्टेट क्षेत्र का सबसे अमीर उद्यमी आंका गया है। उनकी कुल संपत्तियां 31,960 करोड़ रुपये हैं। इस सूची में डीएलएफ के राजीव सिंह दूसरे और एम्बैसी ग्रुप के संस्थापक जितेंद्र विरवानी तीसरे स्थान पर हैं। हुरुन रिपोर्ट और ग्रोही इंडिया ने सोमवार को 'ग्रोही हुरुन इंडिया रीयल एस्टेट रिच लिस्ट 2019' का तीसरा संस्करण जारी किया। इस रिपोर्ट में देश के रीयल एस्टेट क्षेत्र के अमीरों के बारे में जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 31,960 करोड़ रुपये की संपदा के साथ मंगल प्रभात लोढ़ा

और मैक्रोटेक डेवलपर्स का परिवार (पुराना नाम लोढ़ा डेवलपर्स) सूची में पहले स्थान पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लोढ़ा परिवार की संपदा 2019 में 18 प्रतिशत बढ़ी है। सूची में शामिल 99 अन्य भारतीयों की कुल संपदा का 12 प्रतिशत लोढ़ा परिवार के पास है। इस सूची में डीएलएफ के राजीव सिंह 25,080 करोड़ रुपये की संपदा के साथ दूसरे स्थान पर हैं। 2019 में उनकी संपत्तियां 42 प्रतिशत बढ़ीं। पिछले साल वह इस सूची में तीसरे स्थान पर थे।

एसबीआई ने अपने ग्राहकों को दिया सस्ते लोन का तोहफा, एमसीएलआर में 0.10 प्रतिशत की कटौती

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। एसबीआई ने सोमवार को सभी तरह के लोन के लिए मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में 10 बेसिस पॉइंट की कटौती कर दी है। इससे होम, कार लोन और अन्य एमसीएलआर लिंक्ड लोन सस्ते हो जाएंगे। चालू वित्त वर्ष में एसबीआई ने एमसीएलआर में लगातार 8वीं बार कटौती की है।

एसबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नई दरें मंगलवार से लागू होंगी। बैंक ने कहा कि फंड की

घटती लागत का लाभ ग्राहकों को देने के लिए हमने एमसीएलआर में 0.10 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है।

ताजा कटौती के बाद एसबीआई में अब एमसीएलआर सालाना 7.90 प्रतिशत होगी, जो अब तक 8 प्रतिशत है। एसबीआई ने कहा कि होम लोन और ऑटो लोन के मार्केट शेयर के 25 पर्सेंट हिस्से पर उसका कब्जा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को 5.15 प्रतिशत पर कायम रखा था।

एमसीएलआर में कटौती से ब्याज दरों में भी कमी आती है। लेकिन इसका सभी लोन लेने वालों को नहीं होगा। लोन लेने वाले नए लोगों को इसका फायदा सबसे पहले होगा, वहीं पुराने कर्जदारों को फायदे के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

रूस पर वाडा ने लगाया 4 साल का बैन

» टोक्यो ओलंपिक और फुटबाल

विश्व कप भी नहीं खेल पाएगा

नईदिल्ली। वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी ने रूस को तगड़ा झटका देते हुए रूस पर 4 साल का बैन लगा दिया है। इस बैन के बाद अब रूस चार साल तक किसी भी प्रकार के मुख्य खेल आयोजनों में हिस्सा नहीं ले पाएगा। टोक्यो में होने जा रहे आगामी ओलंपिक 2020 और कतर में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप 2022 से भी रूस बाहर हो गया है।

वाडा ने रूस पर ये कार्रवाई डोपिंगरोधी प्रयोगशाला से गलत आंकड़े देने के आरोप के कारण की है। वाडा के एक प्रवक्ता ने कहा, सिफारिशों की पूरी सूची सर्वसम्मति से स्वीकार कर ली गई है। रूस पर भले ही यह प्रतिबंध लगाया गया हो लेकिन उसके वे खिलाड़ी, जिन्हें डोपिंग में क्लीन चिट मिल जाएगी वे न्यूट्रल फ्लैग (तटस्थ झंडे) के इन खेलों में हिस्सा ले सकेंगे। स्विट्जरलैंड में

वाडा की 12 सदस्यीय कार्यकारी समिति ने रूस के खिलाफ प्रतिबंध का प्रस्ताव पारित किया। अनुपालन समिति ने प्रतिबंध की सिफारिश की थी। रूस की एंटी डोपिंग एजेंसी के प्रमुख यूरी गानस ने प्रतिबंध लगने की जानकारी दी।

लिवर की कमजोरी हो या त्वचा का इंफेक्शन, करी पत्ते के सेवन से मिलेगी राहत

करी पत्ते का पौधा आपके या आपके पड़ोसियों के घर में आपको जरूर लगा मिलेगा। यह जितनी आसानी से गमलों में उग जाता है, इसके फायदे उतने ही बेहतरीन हैं। आइए, आपको बताते हैं करी पत्ते के सेवन से होने वाले गजब के फायदे =

करी पत्ते में भरपूर मात्रा में आयरन और फॉलिक एसिड होता है। आयरन शरीर के लिए प्रमुख पोषक तत्व है और फॉलिक एसिड इसके अवशोषण में सहायक होता है।

1 करी पत्ते में मौजूद फाइबर इन्सुलिन को प्रभावित करके ब्लड शुगर लेवल को कम करता है।

2 यह पाचन क्रिया को भी सही रखता है।

3 इससे वजन बढ़ने का खतरा कम होता है।

4 लिवर कमजोर होने पर करी पत्ता फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ए और सी लिवर को दुरुस्त करते हैं।

5 यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है।

6 रक्त में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ाकर दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाता है।

7 कब्ज हो, तो इसका सेवन करें।

8 एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुणों से भरपूर होने के कारण यह त्वचा के लिए गुणकारी है।

9 त्वचा में इंफेक्शन होने पर इससे लाभ होता है।

आज का राशिफल

मेष:- राशि का स्वामी मंगल-पापग्रहों की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी।

वृषभ:- आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है।

मिथुन:- राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा।

कर्क:- चंद्रमा दशम भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह:- राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा।

कन्या:- राशि स्वामी बुध भाग्य वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा।

तुला:- आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिक:- आपकी राशि पर शनि एवं षष्ठम चंद्र योग अभी सात दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं।

धनु:- आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकर:- आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे।

कुंभ:- आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है।

मीन:- आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है।

महिला केन्द्रित विषय पर लिखने में अभी पीछे है बॉलिवुड: कटरीना

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कटरीना कैफ का मानना है कि महिला केन्द्रित विषयों पर लिखने के मामले में बॉलिवुड अभी काफी पीछे है। कटरीना ने एक कार्यक्रम में कहा कि जब आप अमेरिकी सिनेमा को देखते हैं या जो पश्चिम में हो रहा है, आपको महिलाओं के लिए बेहतरीन स्क्रिप्ट मिलेंगी। वहां ऐसा बड़े स्तर पर हो रहा है, जिन फिल्मों में शार्लीज थेरॉन, निकोल किडमैन काम कर रही हैं। ये वे अदाकाराएं हैं जो लंबे समय से फिल्म जगत में बनी हैं।

कटरीना कैफ ने कहा कि उन्हें बेहतरीन लेखन और किस्सागोई का साथ मिला है। अगर आप बिग लिटल लाइज या अन्य मशहूर शो देखेंगे, वे महिलाओं को ध्यान में रख कर लिखे गए हैं और उसी हिसाब से बनाए गए हैं। इस लिहाज से हम महिलाओं के लिए लिखने के मामले में काफी पीछे हैं।

कटरीना ने कहा कि मैं ऐसी कहानी की तलाश में हूं और लोगों से इस बारे में बात भी कर रही हूं...। ऐक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें ऐसे चरित्र की तलाश है जिसमें भावनात्मक जीवंतता हो। उन्होंने भारत और जीरो जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि वे इन फिल्मों में अपने किरदार से भावनात्मक रूप से जुड़ी थीं।

सिया-जिया में डबल रोल निभाएंगी तापसी पन्नू

तापसी पन्नू अपनी आने वाली फिल्म सिया-जिया में डबल रोल में दिखाई देंगी। इस फिल्म को मशहूर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली प्रड्यूस करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, फिल्म में तापसी डबल रोल निभाएंगी। यह उनकी पहली डबल रोल वाली फिल्म होगी। यह बेहद दिलचस्प और अलग किस्म की फिल्म होगी। अगले साल इस फिल्म की शूटिंग शुरू की जाएगी। फिल्म को भंसाली प्रॉडक्शंस के बैनर तले प्रड्यूस किया

जाएगा।

इसके अलावा शबीना खान भी इस फिल्म को को-प्रड्यूस कर रहे हैं। इससे पहले भंसाली और शबीना ने साल 2012 में आई अक्षय कुमार की सुपरहिट फिल्म राउडी राठौर तो भी प्रड्यूस किया था।

बता दें कि यह साल तापसी के लिए काफी अच्छा रहा है। इस साल उनकी 4 फिल्में बदला, गेम ओवर, मिशन मंगल और सांड की आंख रिलीज हुई जिनमें उनकी परफॉर्मेंस को काफी सराहा गया है। अब वह अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ में दिखाई देंगी।

ज्वार का उपमा बनाने की विधि

आवश्यक सामग्री

ज्वार - 1 कप , राई - 2 छोटे चम्मच , सूखी खड़ी लाल मिर्च - 1 , कढ़ी पत्ते - 5 , हरी मिर्च - 1 कटी हुई , अदरक - 1 इंच कटी हुई , हरा प्याज - 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ , शिमला मिर्च - 1 कटी हुई , हरी मटर - 1 / 2 कप उबली हुई , टमाटर - 2 कटे हुए , हल्दी पाउडर - 1 छोटा चम्मच , नमक स्वादानुसार , 1 नींबू का रस , हरा धनिया - थोड़ा - सा , तेल - 1 बड़ा चम्मच ।

बनाने की विधि

ज्वार को आधा घंटा पानी में भिगो दें । फिर इसका पानी निथार लें । गहरे बर्तन में तीन कप पानी और थोड़ा - सा नमक डालकर उबालें । इसमें भीगे ज्वार डालें

। जब ज्वार मुलायम हो जाएं तो इसे ढककर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएं । जब ज्वार पूरा पानी सोख ले तो आंच बंद करें । पैन में तेल गर्म करें । इसमें राई , सूखी लाल मिर्च और कढ़ी पत्ते तड़काएं । हरी मिर्च , अदरक और हरा प्याज़ मिलाकर कुछ मिनट भूनें ।

शिमला मिर्च मिलाकर पांच मिनट भूनें । जब ये मुलायम हो जाए तो मटर , टमाटर , हल्दी और नमक मिलाकर कुछ मिनट पकाएं । अब पका हुआ ज्वार और नींबू का रस मिलाकर भूनें । हरा धनिया डालकर गरमा - गरम परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 69

बाएं से दाएं
1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे
1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

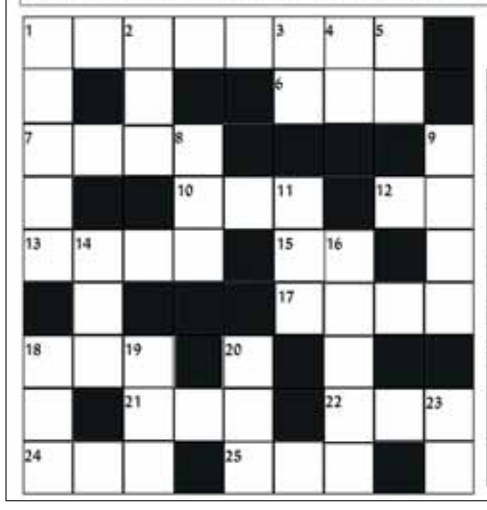

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 68 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तीं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू-दोकू- 69

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.68 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5